भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 21

02 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: पालक्काड में धान किसानों के समक्ष समस्याएं

***21. श्री वी. के. श्रीकंदनः**

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में केन्द्र सरकार के एक विशेषज्ञ प्रतिनिधिमंडल ने केरल के पालक्काड जिले के प्रमुख धान उत्पादक क्षेत्रों का दौरा किया था;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इस दल ने कई स्थानों पर धान उत्पादक किसानों के साथ बातचीत की और वास्तविक स्थिति को समझने के लिए विस्तृत विचार-विमर्श किया था, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या किसानों और विभिन्न कृषि संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस दल से पालक्काड, जिसे केरल में सबसे अधिक धान उत्पादन करने वाला जिला होने का गौरव प्राप्त है, के लिए एक विशेष वित्तीय पैकेज की सिफारिश करने का अनुरोध किया है;

(घ) क्या किसानों को फसल कटाई का मौसम शुरू होने के बाद भी खरीद और भुगतान में देरी होने और उत्पादन लागत में भारी वृद्धि के कारण उत्पन्न संकट का सामना करना पड़ रहा है और उन्होंने तदनुरूप यह आग्रह किया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि किए जाने की आवश्यकता है; और

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार पालक्काड में धान की खेती करने वाले किसानों के समक्ष आ रही समस्याओं का समाधान करने के लिए एक विशेष पैकेज लाने और कदम उठाने का है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

'पालक्काड में धान किसानों के समक्ष समस्याएं' विषय के संबंध में लोक सभा में दिनांक 02.12.2025 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या 21 के भाग (क) से (ङ) के संबंध में उल्लिखित विवरण।

(क) से (ग): कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के 02 वरिष्ठ अधिकारियों और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग (डीएआरई) के 4 वैज्ञानिकों वाली एक अंतर-विभागीय टीम ने दिनांक 23.09.2025 से 26.09.2025 तक केरल के अलप्पुझा, त्रिशूर और पालक्काड जिलों के धान उत्पादक क्षेत्रों का दौरा किया।

टीम ने निचले कुट्टनाड क्षेत्र (अलप्पुझा), त्रिशूर और पालक्काड जिलों का दौरा किया और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, पदशेखर समितियों के सदस्यों, पंचायत प्रतिनिधियों, किसान संघों, खेतिहर मजदूरों, महिलाओं, संबंधित विभागों के सरकारी अधिकारियों, विषय-क्षेत्र विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, नागरिक समाज समूहों, गैर-सरकारी संगठनों सहित सभी संबंधित हितधारकों के साथ कई परामर्श किए। इन सभी जिलों में हितधारकों के साथ बैठकें आयोजित की गईं।

टीम ने इन जिलों में धान की खेती की समस्याओं की पहचान की, जिनमें धान उत्पादन की उच्च लागत, धान खरीद का विलंबित भुगतान, धान रसीद पर्ची (पीआरएस) ऋण के रूप में भुगतान, कीट और रोग के हमलों को रोकने के लिए उचित भंडारण और गोदाम की आवश्यकता, धान के खेतों से पानी निकालने और उसके परिवहन के लिए बुनियादी ढांचे से संबंधित समस्याएं आदि शामिल थीं।

(घ): केरल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर धान की खरीद के लिए एक विकेन्द्रीकृत खरीद (डीसीपी) राज्य है। केरल सरकार ने बताया है कि इस फसल सीजन में खरीद चक्र के शुरुआती चरणों में, कई चावल मिलें खरीद करने में अनिच्छुक थीं, जिसके परिणामस्वरूप धान उठाव में रुकावटें आईं और इन चुनौतियों का समाधान करने के प्रयास किए गए। किसानों की सहायता के लिए, केरल में धान की खरीद केंद्र सरकार द्वारा घोषित एमएसपी और राज्य द्वारा दिए गए अतिरिक्त प्रोत्साहन बोनस पर की जाती है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने आगे बताया है कि अब तक पालक्काड जिले में 1256 किसानों से खरीद की जा चुकी है।

(ङ): वर्तमान में, पालक्काड जिले के लिए ऐसा कोई विशिष्ट प्रस्ताव नहीं है। भारत सरकार केरल राज्य में किसानों के कल्याण और लाभ के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को कार्यान्वित कर रही है। खाद्य सुरक्षा और पोषण को बढ़ाने के लिए, चावल सहित विभिन्न फसलों के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) के माध्यम से किसानों को सहायता प्रदान की जा रही है। यह स्कीम राज्य के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है और अनुमोदित वार्षिक कार्य योजना के आधार पर हस्तक्षेपों में नवीनतम फसल उत्पादन और संरक्षण प्रौद्योगिकियों पर प्रदर्शन, प्रमाणित बीजों का वितरण, एकीकृत पोषक तत्व और कीट प्रबंधन उपाय, फसल प्रणाली आधारित प्रशिक्षणों के माध्यम से किसानों की क्षमता निर्माण आदि शामिल हैं। राज्य अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर सहयोग के अलावा चावल विकास कार्यक्रम सहित पालक्काड जिले में धान किसानों के उत्थान के उद्देश्य से विभिन्न स्कीमों को भी कार्यान्वित कर रहा है।

*****